Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित

(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	Music Project on Biography Sadarang -Adarang
Academic Session	2019-20
Organizing Department/ Committee	Music
Total Number of Students Participated in the Project	10

Brief Report	The Project entitled Biography Sadarang -Adarang was undertaken by the Department of Music during the session of 2019-20 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.
Criterion :1	Metric no-1.3.3

Signature of Co-Ordinator	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator	Signature of & Stamp of Principal

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित

(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
1	Arpita Ramesh Bhaisare	B.A.	B.A ll
2	Akansha Yuvraj Tirpude	B.A	B.A ll
3	Hrutuja Bhimrao Jambhulkar	B.A	B.A ll
4	Jyoti Arun Mishra	B.A	B.A.ll
5	Kunika Kailash Mohile	B.A	B.A ll
6	Mahima Rupraj karwade	B.A	B.A ll
7	Nikita Bablu Karwade	B.A	B.A ll
8	Nikita Dultansingh	B.A	B.A ll
9	Pooja Mohan Wankhede	B.A	B.A ll
10	Prajakta Badriprasad	B.A	B.A ll

Front Page of Project

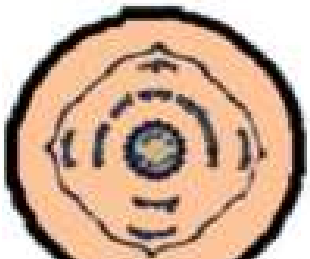

Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya

Jatipratha Nagpur

Music project on Biography

Sadarang-Adarang

Class:-B.A II year

Session:-2019-20

Project submission by :

Arpita Ramesh Bhaisare

//ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur

MUSIC PROJECT

Organised By

Department of MUSIC

CERTIFICATE

This is certify that project wark in the Music entitled Biography Sadarang -Adarang has been successfully completed by ku Arpita Ramesh Bhaisare of B.A ll Year during the Academic session 2019-20Hence the certificate is awarded to her.

Co-Ordinator
Mrs Anita Sharma
Dept. of Music
DAKM, Nagpur

Principal .
Dr. Shraddha Anilkumar
DAKM, Nagpur

Project copy

विषय का चुनाव :-

सदारंग - अदारंग 20 वी सदी के हिंदुस्तानी संगीत में सबसे महत्वपूर्ण हस्तियों में से एक है। सदारंग - अदारंग भारतीय संगीत का प्रतिनिधित्व करते थे। उन्होंने संगीत जगत को कई कलाकार दिये। उनके बारे में हमें ज्ञान है इसलिए हम ने इस विषय का चुनाव किया।

उद्देश्य :

[redacted]

सदारंग - अदारंग 20 वी सदी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भारतीय संगीतज्ञ थे। सदारंग - अदारंग जी की संगीत में बहुत रूची थी। उन्हें संगीत के वाद्य बजाना बहोत पसंद था।

सदारंग - अदारंग जी एक भारतीय गायक थे।

हिन्दुस्तानी संगीत के महान रचनाकार

सदारंग-अदारंग

शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी

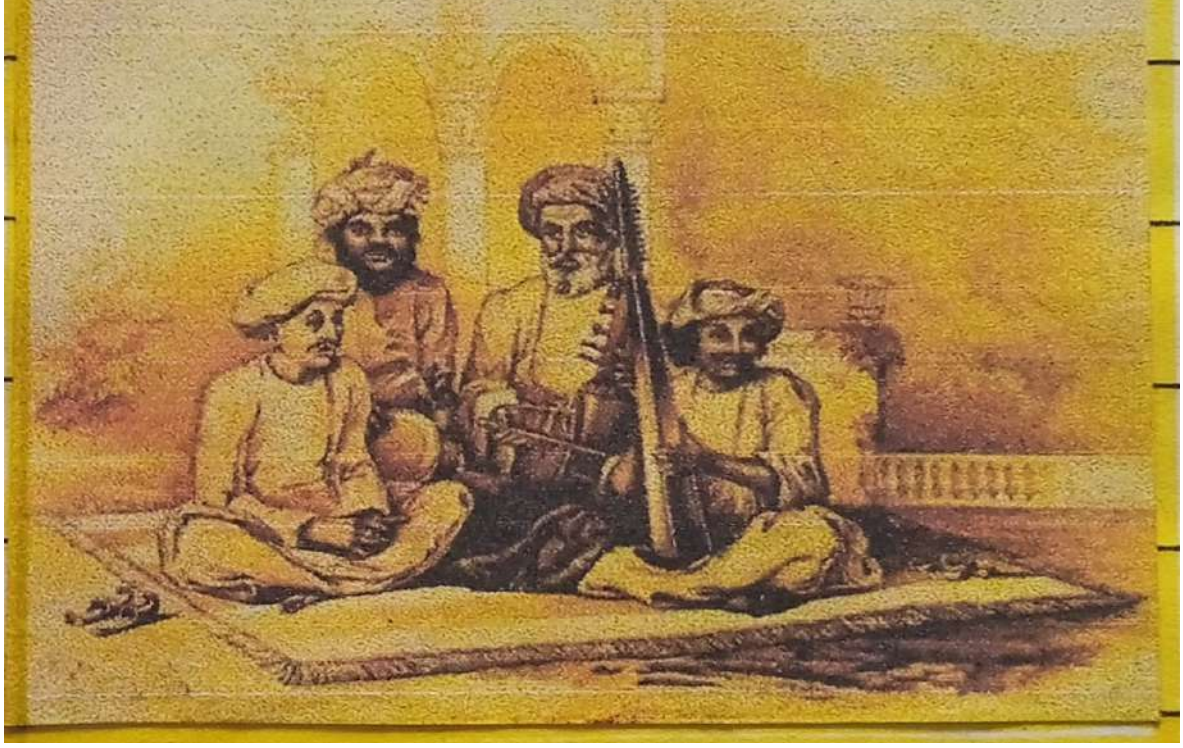

Page No.:
Date :

सदारंग - अदारंग

ख्याल की बहुत - सी चीजों में सदारंग मोहम्मद शाह जैसा नाम कई बार देखने में आता है। 18 वी शताब्दी में न्यामत खाँ नाम से आता है। वे प्रसिद्ध बीनकार हो गए है। वे अपनी बनाई हुई चीजों में उस समय के बादशाह मुहम्मद शाह का नाम दे दिया करते थे। बादशाह को प्रसन्न करने के लिए ही वे ऐसा किया करते थे। न्यामत खाँ [सदारंग] के खानदान के बारे में बताया जाता है कि वे तानसेन की पुत्री के खानदान में दसवें व्यक्ति थे। इसके पिता का नाम लाल खाँ सानी और बाबा का नाम खुशाल खाँ था।

यद्यपि रचना का कार्य सर्वप्रथम अमीर खुसरो ने शुरू किया था। किंतु उस समय ख्याल - रचना विशेष लोकप्रिय न हो सकी। इसके बाद सुल्तान हुसैन शर्की बाजबहादुर चंचलसेन, चांद खाँ तथा सूरज खाँ ने भी यह कार्य करने की चेष्टा की किंतु उन्हे भी विशेष सफलता न मिल सकी। न्यामत खाँ ने उनकी इन असफलताओं का कारण ढूंढ निकाला। इन्होंने अनुभव किया कि जब तक कविताओं में बादशाह का नाम हो सकेगी, साथ ही इन्हे रूठे हुए बादशाह को भी खुश करना था, क्योंकि वेश्याओं को तालीम न देने पर एक बार बादशाह इतने नाराज हो गए थे, अत: वे उपनाम 'सदारंगीले' के साथ बादशाह का नाम तो छापने लगे, किंतु इसकी खबर बादशाह को न होने दी कि यह कविता किसकी बनाई हुई है और सदारंग कौन है। इस प्रकार बहुत - सी कविताएँ न्यामत खाँ ने तैयार करके अपने शागिर्दो को भी याद कराई। जब बादशाह को ये कविताएं ख्याल में गाकर सुनाई गई तो वे बड़े प्रभावित हुए और यह जानने की इच्छा प्रकट की कि यह 'सदारंगीले' कौन है। न्यामत खाँ के शागिर्दो ने जवाब दिया कि हमारे उस्ताद जिनका असली नाम न्यामत खाँ है, उनका तखल्लुस (उपनाम) 'सदारंगीले' है। बादशाह ने कहाँ - 'अपने उस्ताद को बुलाओ'। न्यामत खाँ दरबार में उपस्थित हुए, तो मुहम्मदशाह ने उनके पुराने अपराधों को क्षमा करके उन्हें पुन: आदरपूर्वक अपने दरबार में रख लिया और वे वीणा बजाकर गायकों का साथ करने के लिए स्थायी रूप से दरबार में रहने लगे। इस प्रकार सदारंग ने पुन: अपना रंग जमाकर गुणियों में आदर

प्राप्त कर लिया।

सदारंग के ख्यालों में विशेष रूप से श्रृंगार रस पाया जाता है, कहा जाता है कि वे स्वयं अपनी ये चीजें महफिलों में नहीं गाई उनका कहना था, कि खुद अपने लिए या अपने ख्यान-दान के लिए मैंने ये चीजें नहीं बनाई है बल्कि बादशाह मुहम्मद को खुश करने के उद्देश्य से ही इनकी रचना की गई है। इतना होते हुए भी इनकी रचनाएँ समाज में काफी फैल गई। ख्याल-गायक और गायिकाओं ने इनकी चीजें अपनाई।

सदारंग के साथ-साथ कुछ चीजों में अदारंग का नाम भी पाया जाता है। इसके बारे में इस इतिहासकार का कथन है कि न्यामत खाँ के दो पुत्र थे जिनका नाम फीरोज खाँ और भूपत खाँ था। 'अदारंग' फिरोज खाँ का ही उपनाम था। भूपत खाँ का उपनाम 'महारंग' था। इस प्रकार पिता के साथ-साथ दोनों पुत्र भी संगीत के क्षेत्र में अपना नाम सदा के लिए अमर कर गए।

निष्कर्ष :

विषय के बारे में ज्ञात होने के पश्चात यह निष्कर्ष निकाला गया की वह 20 वी सदी के भारतीय संगीतज्ञ कलाकार हुए और उन्होंने अनेक संगीतकार इस भारतीय जगत को दिये है। और संगीत को पढने में सुनने और बजाने में हमें अत्यंत आनंद प्राप्त होता है। और संगीत जगत की जानकारी में हमे और भी ज्ञान की प्राप्ती होती है।